# हिंदी

**(वसंत) (अध्याय- 2) (बचपन)**
**(कक्षा - 6)**

## प्रश्न अभ्यास

**प्रश्न 1:**
लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

**उत्तर 1:**
बचपन में लेखिका को अपने मोजे खुद धोने पड़ते थे। वह नौकर या नौकरानी को नहीं दिए जा सकते थे। इसकी सख्त मनाही थी। बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते थे। धो लेने के बाद अपने-अपने जूते पॉलिश करके चमकाते थे। जब जूते कपड़े या ब्रश से रगड़ते तो पॉलिश की चमक उभरने लगती थी।

**प्रश्न 2:**
'तुम्हें बताउँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं?

**उत्तर 2:**
लेखिका के अनुसार बचपन की दिलचस्पियाँ भी बदल गई हैं। उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफोन थे, रेडियो और टेलीविजन नहीं थे। बचपन की कुल्फी अब आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी-समोसा अब पैटीज में बदल गया है। शहतूत और फाल्से और खसखस का शरबत आज के समय में कोक-पेप्सी में बदल गया है। उन दिनों कोक, पेप्सी नहीं थी लेकिन उस समय भी विमटो नामक कोल्ड ड्रिंक का चलन था।

**प्रश्न 3:**
पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

**उत्तर 3:**
दिन की रोशनी को छोड़कर रात में टेबल लैंप के सामने काम करने के कारण लेखिका की नजर कमज़ोर हो गयी थी, जिसके कारण लेखिका को चश्मा लगाना पड़ा। जब पहली बार लेखिका ने चश्मा लगाया तो उसके चचेरे भाई ने उसे छेड़ते हुए कहा कि, देखो! कैसी लग रही है! आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की पर नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की!

**प्रश्न 4:**
लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन-सी चीजें मजे ले-लेकर खाती थी ? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

**उत्तर 4:**
लेखिका को अपने बचपन में कन्फेक्शनरी काउंटर से हफ्ते में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी। उसके पास सबसे ज्यादा चॉकलेट-टॉफी का स्टॉक रहता था। वह चॉकलेट लेकर खड़े-खड़े कभी नहीं खाती थी। घर लौटकर साइडबोर्ड पर रख देती और रात के खाने के बाद बिस्तर में लेटकर मजे ले-ले कर खाती थी। इसके अलावा काफल खट्टे-मीठे, कुछ एकदम लाल, कुछ गुलाबी, रसभरी, चेस्टनट - एक और गजब की चीज। आग पर भूने जाते और फिर छिलके उतारकर मुँह में चना जोर गरम और अनारदाने का चूर्ण।

## संस्मरण से आगे

**प्रश्न 1.**
लेखिका के बचपन में हवाई जहाज़ की आवाजें, घुड़सवारी, ग्रामोफ़ोन और शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें थीं। आज क्या-क्या आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।

**उत्तर-**
आज की आश्चर्यजनक आधुनिक चीजें हैं-कंप्यूटर, टेलीविज़न, इंटरनेट, मोबाइल, रोबोट, मेट्रो ट्रेन, मोटर कार, बाइक आदि।
इनके प्रति हम आज ज्यादा आकर्षित होते हैं।

**प्रश्न 2.**
अपने बचपन की किसी मनमोहक घटना को याद करके विस्तार से लिखो।

**उत्तर-**
छात्र स्वयं करें।

## अनुमान और कल्पना

**प्रश्न 1.**
सन् 1935-40 के लगभग लेखिका को बचपन शिमला में अधिक दिन गुज़रा उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।

**उत्तर-**
लेखिका का बचपन अधिकांशतः शिमला में गुजरा। उन दिनों शिमला विकसित होने लगा था। वहाँ रेस्टोरेंट, मॉल, अच्छी दुकानें आदि खुल गई थीं। छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरा शहर, चढ़ाई-चढ़कर गिरजा मैदान पहुँचना और उतर कर मॉल जाना ये सब घटनाएँ सुखद थीं। संध्या के समय धुंधलके में गहराते पहाड़, रिज पर बढ़ती रौनक, मॉल के दुकानों की चमक और स्कैंडल प्वाइंट ये सब शिमला की खूबसूरती की झलक दिखाते हैं।

**प्रश्न 2.**
लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया है। अनुमान लगाइए कि सरवर कौन हो सकता है?

**उत्तर-**

इस संस्मरण में लेखिका ने दो बार सरवर का नाम लिया है। सरवर का नाम लेखिका ने संकेत के रूप में लिया है। इसके अलावा उस व्यक्ति के लिए अन्य संबोधन का प्रयोग नहीं हुआ है। अतः संभव है कि सरवर कोई पत्रकार या उनका मित्र लेखक रहा होगा जिन्हें वह अपनी जीवनी सुना रही हैं।

## भाषा की बात

**प्रश्न 1.**
क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से मार, काटना से काट, हारना से हार, सीखना से सीख, पलटना से पलट और हड़पना से हड़प आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी हैं। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनके भाववाचक संज्ञा बनाओ।

**उत्तर-**

| क्रिया | भाववाचक संज्ञा |
|---|---|
| गूंजना | गूँज |
| उभार | उभरना |
| दौड़ना | दौड़ |
| चढ़ना | चढ़ाई |
| चाल | चलन |
| गहराना | गहराई |
| खींजना | खीज़ |
| बदलना | बदलाव |

**प्रश्न 2.**
चार दिन, कुछ व्यक्ति, एक लीटर दूध आदि शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दो तो पता चलेगा कि इसमें चार, कुछ और एक लीटर शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है, क्योंकि ये संख्यावाचक विशेषण हैं। इसमें भी चार दिन से निश्चित संख्या का बोध होता है, इसलिए इसको निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं और कुछ व्यक्ति से अनिश्चित संख्या का बोध होने से इसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसी प्रकार एक लीटर दूध से परिमाण का बोध होता है इसलिए इसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

अब तुम नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो-
(क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए।
(ख) दो किलो अनाज दे दो।
(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं।
(घ) सभी लोग हँस रहे थे।
(ङ) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है।

**उत्तर-**
(क) दो दर्जन- निश्चित संख्यावाचक विशेषण।
(ख) दो किलो- निश्चित परिणामवाचक विशेषण।
(ग) कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण।
(घ) सभी- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण।
(ङ) (i) तुम्हारा- सार्वनामिक विशेषण
(ii) बहुत- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
(iii) सुंदर- गुणवाचक विशेषण

**प्रश्न 3.**
कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं।
इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'दिलचस्पियाँ' और 'मौसी' संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं। सर्वनाम कभी-कभी विशेषण का काम भी करते हैं। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

**उत्तर-**
(क) हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगते
(ख) उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफ़ोन थे।
(ग) हमारा घर माल से ज्यादा दूर नहीं था।
(घ) अपने-अपने जूते पॉलिश करके चमकाते।
(ङ) यह गाना उन दिनों स्कूल में हर बच्चे को आता था।

## कुछ करने को

**प्रश्न 1.**
अगर तुम्हें अपनी पोशाक बनाने को कहा जाए तो कैसी पोशाक बनाओगे और पोशाक बनाते समय किन बातों का ध्यान रखोगे? अपनी कल्पना से पोशाक का डिज़ाइन बनाओ।

**उत्तर-**

स्वयं करें।

संकेत : छात्र अपनी कल्पना से डिज़ाइन बनाएँ। लड़के कोट-पैंट या कुर्ता पाजामे का डिजाइन बना सकते हैं और लड़कियाँ फ्रॉक या सलवार कमीज को डिजाइन बना सकती हैं। यह भी लिखें कि पोशाक बनाते समय आप किस बात का ध्यान | रखेंगे-पहनने में सुविधा और आराम का या आधुनिकता और कारीगरी का।

**प्रश्न 2.**
तीन-तीन के समूह में अपने साथियों के साथ कपड़ों के नमूने इकट्ठा करके कक्षा में बताओ। इन नमूनों को छूकर देखो और अंतर महसूस करो। यह भी पता करो कि कौन-सा कपड़ा किस मौसम में पहनने के लिए अनुकूल है।

**उत्तर-**
छात्र स्वयं करें।

**प्रश्न 3.**
हथकरघा और मिल के कपड़े बनाने के तरीकों के बारे में पता करो। संभव हो तो किसी कपड़े के कारखाने में जाकर जानकारी इकट्ठी करो।

**उत्तर-**
हथकरघा पर हाथ से कपड़े बनाए जाते हैं और मिल में मशीन के द्वारा। छात्र किसी कारखाने का भ्रमण कर यह जानने का प्रयास करें कि कपड़े बनाने की प्रक्रिया क्या है।

**प्रश्न 4.**
हमारे देश में तरह-तरह के भोजन, तरह-तरह की पोशाकें प्रचलित हैं। कक्षा के बच्चे और शिक्षक इनके विविध रूपों के बारे में बातचीत करें।

**उत्तर-**

छात्र स्वयं करें।